HIN1B09a_cours-11-2013-04-15 (jeu de rôles)

माता-पिता के साथ या अकेले

► यूरोप में कुछ लोगों का कहना है कि जवान लड़के-लड़कियों को अठारह साल की उम्र में अपने माता-पिता का घर छोड़कर नया घर बसाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अठारह साल की उम्र के बाद माता-पिता के साथ रहने से जवान लोगों का मानसिक विकास अच्छी तरह से नहीं हो पाता। जबकि अकेले रहने से जवान लोग अपने पैरों पर खड़ा रहकर जीना सीख सकते हैं और अपनी ज़िन्दगी के बारे में खुद ही सोच सकते हैं। ऐसी सलाह दी जाती है कि माता-पिता को जवान लोगों के भविष्य के बारे में कुछ भी तय नहीं करना चाहिए।

► भारत में कुछ लोग इस विचार से सहमत नहीं। इन लोगों के अनुसार जवान लोगों को कम-से-कम 25 साल की उम्र तक माता-पिता के साथ ही रहना चाहिए। अठारह साल की उम्र में लोग मानसिक रूप से कमज़ोर होते हैं। वे आसानी से ग़लत आदतों का शिकार बन सकते हैं। उनके मन में तरह-तरह के डर पैदा हो सकते हैं। अठारह साल की उम्र में लोगों के पास कोई अच्छी नौकरी नहीं होती। उनके पास अपना घर भी नहीं होता। इसलिए जवान लोगों को कम-से-कम पच्चीस साल की उम्र तक माता-पिता के साथ ही रहना चाहिए।

► लेकिन सभी देशों में कुछ जवान लोग ऐसे भी होते हैं जो अपने माता-पिता का घर न तो अठारह साल की उम्र में छोड़ना चाहते हैं और न ही पच्चीस साल की उम्र में। वे हमेशा बिना कुछ किए आराम की ज़िंदगी जीना चाहते हैं। अगर घर पर माताजी खाना पकाती हैं और कपड़े धोती हैं तो फिर घर छोड़कर जाने में क्या फायदा?

1. क्या माता-पिता का घर छोड़ना ज़रूरी है? अगर हाँ तो क्यों? अगर नहीं तो क्यों नहीं?
2. माता-पिता का घर किस उम्र में छोड़ना ठीक है? अठारह साल की उम्र में या पच्चीस साल की उम्र में?
3. माता-पिता का घर क्यों नहीं छोड़ना चाहिए?

1.		
2.		
3.		

1.		
2.		
3.		